PAGE:
DATE: / /

October Month Portions

कविता - सूरदास के पद (1-8 lines)
पाठ - समझगान
निबंध - बिजली की आत्मकथा Pg No - 168

कविता - सूरदास के पद

I मौखिक प्रश्नोत्तर:

क) बाबा नंद के घर का आँगन सोने से बना है जिसमें मणियाँ जड़ी हैं।

ख) अपने साथ दूसरे बच्चे के भ्रम में ही वे अपनी परछाई पकड़ रहे हैं।

ग) माता यशोदा कृष्ण की बाललीला, उनकी बालसुलभ क्रीड़ाओं और उनके सुंदर रूप पर मोहित हैं।

II लिखित प्रश्नोत्तर:

क) कवि सूरदास प्रभु के चरणों की वंदना करते हैं। वे श्री कृष्ण के प्रताप का वर्णन करते हुए कहते हैं कि उनकी कृपा से अपंग पर्वत पार करने में और अंधा सब कुछ

देखने में समर्थ हो जाता है। बहरा सुनने लगता है, गूँगा लगता है तथा कंगाल राजा बनकर सिर पर छत्र धारण करके चलता है।

ख) सूरदास ने प्रभु को करुणामय इसलिए कहा है क्योंकि वे हर व्यक्ति का दुख-दर्द हर कर देते हैं

ग) सरलार्थ में से लिखें।

घ) माता यशोदा कृष्ण की बाल लीला देखकर प्रसन्न होती हैं और अपनी प्रसन्नता कृष्ण के पिता नंदबाबा से बाँटना चाहती है इसलिए उन्हें पुकारती है। वे कृष्ण को आँचल से ढककर दूध पिलाती हैं ताकि कृष्ण के सुंदर सलोने रूप को किसी की नज़र न लगे।

ङ) कवि सूरदास कहते हैं कि भगवान की कृपा से बहरा व्यक्ति सुनने लगता है, गूँगा बोलने लगता है और गरीब व्यक्ति सिर पर छत्र धारण करके सम्मानपूर्वक चलने लगता है। भगवान अत्यंत

PAGE:
DATE : / /

दयालु और करुणामय है। इसलिए कवि सूरदास उनके चरणों में बार-बार प्रणाम करते हैं।

सही विकल्प चुनकर लिखिए :

क) कृष्ण के चरणों की ख) नंद को

ग) नंद के मणियोंवाले आँगन में

भाषा - ज्ञान :

1. क) पग, पैर ख) पंकज, सरोज ग) कंगाल, दरिद्र

घ) प्रतिबिंब, परछाई ङ) बाल, शिशु च) दुग्ध, अमृत

2. मानक रूप लिखिए :

क) जिसकी ख) लाँघना ग) क्रुद्ध घ) बहरा

ङ) गूँगा च) पुन: छ) पकड़ना ज) दौड़ना

झ) कभी ञ) से ट) पकड़ना ठ) सुशोभित होना

3. क) प्रतिपल, प्रतिकृति, प्रत्येक

ख) उपास्थित, उपग्रह, उपकार

ग) अत्यावश्यक, अतिरिक्त, अत्येत

PAGE:
DATE:

4. क) धराई, पाई ख) धावत, चाहत
ग) साजति, बुलवाति घ) पर, तर

6. क) प्रह्लाद ईश्वर के पक्के भक्त थे।
ख) माता जी लौट आई हैं।
ग) उसके मुँह से फूल झरते हैं।
घ) प्लेट में खाना रखकर बच्चे को दो।

पाठ - समयगान

I मौखिक प्रश्नोत्तर:

क) समयगान के निर्माण की सफलता प्रोफ़ेसर यासीन की प्रसन्नता का कारण था।

ख) समयगान के बाहर सिर्फ़ रेत ही रेत थी। आगे - पीछे, दाएँ - बाएँ - जिधर भी दृष्टि जाती, रेत ही रेत नज़र आती। पेड़ - पौधे तो दूर हरी घास का भी कोई नामो - निशान तक नहीं था।

PAGE:
DATE: / /

ग) प्रोफ़ेसर को ट्रांसमिट करके न्यायालय ले जाया गया।

घ) वकील ने बताया कि पर्यावरण से छेड़-छाड़ के कारण वृक्ष नष्ट हो चुके हैं, ओज़ोन की छतरी विलीन हो गई है, समुद्रों का जलस्तर बेतहाशा बढ़ गया है, जीवित रहने के लिए कृत्रिम ऑक्सीजन का सहारा लेना पड़ रहा है।

लिखित प्रश्नोत्तर :

क) प्रोफेसर यासीन ने वातावरणीय परिवर्तनों को ध्यान रखते हुए विशेष प्रकार की स्वनिर्मित पोशाक पहनी जिससे वे अंतरिक्ष यात्री की भाँति लग रहे थे। समयगान में पहुँचकर उन्होंने कंप्यूटर चालू कर दिया।

ख) अदालत में सामने एक ऊँची कुरसी पर जज, ~~अगल~~ अगल-बगल वकील और पीछे दर्शक थे। प्रोफेसर मुल्ज़िम के कटघरे में खड़े थे। वहाँ मौजूद सभी व्यक्ति धूप की तरह पीली चमड़ीवाले थे।

ग) प्रोफेसर यासीन के समय के लोगों ने पर्यावरण से छेड़छाड़ और वृक्षों का विनाश किया था जिससे ऑक्सीजन की कमी और सूर्य की अल्ट्रावॉयलेट किरणों से बचने के लिए ज़मीन से दस फ़ीट नीचे अपना आवास बनना पड़ा।

घ) अपने शरीर को अणुओं-परमाणुओं के रूप में विघटित कर देनेवाले भावी विस्फोट के बारे में सोचकर प्रोफेसर के मुँह से भय मिश्रित चीख निकल गई।

ङ) इस स्वप्न ने प्रोफेसर यासीन को अहसास कराया कि अभी हमें समय-चक्र नहीं बल्कि अपने समय को देखना है। अन्यथा सारा संसार जीते-जी कब्र में दफ़न हो जाएगा।

PAGE:
DATE: / /

च) सौरमंडल में केवल पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है जिसपर जीवन के लिए आवश्यक सभी तत्व मौजूद हैं। इसलिए हमारी पृथ्वी चंद्रमा या सौरमंडल के अन्य ग्रहों से अलग है।

छ) यह पाठ हमारी वर्तमान जीवन-शैली और उनसे उपजी पर्यावरण संबंधी समस्याओं के प्रति सचेत करता है। यह हमें सामाजिक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने का संदेश देता है।

वाक्यों को कहानियां ... क्रम कीजिए:

2, 4, 6, 1, 5, 3, 7

सही उत्तर पर ✓ लगाइए:

क) 2500 ईसवी ख) काँच की पारदर्शी दीवार से

ग) उनकी त्वचा धूप की तरह पीली थी

घ) मृत्यु देने की

भाषा जान:

क) वास्तविकता ख) संदेश ग) उत्तरदायी

Scanned with OKEN Scanner

घ) ऊपर ङ.) दूरी च) आश्चर्य चकित

2. विलोम लिखिए:

क) अनियंत्रिक ख) प्राकृतिक ग) वंशज

घ) मृत ङ.) अंधकार च) दुश्मनी

3. ख) हँसना और बोलना

ग) आँधी और तूफान

घ) अणु और परमाणु

ङ) दिन और रात

च) आशा और निराशा

4. अकर्मक क्रिया

1) देखा विजय हम जीत गए।

2) विजय अपने आप पर ही हँस पड़ा।

सकर्मक क्रिया

1) समय की अबाध गति पर हमारे समयज्ञान ने विजय हासिल कर ली।

PAGE:
DATE: / /

२) केबिन में चारों ओर से लाल प्रकाश फूटने लगा।

5. ख) पूर्णत: ग) यंत्रवत घ) निस्संदेह

ङ.) थोड़ा च) कहते-कहते छ) बाहर

6) क) टूट पड़े. ख) घोड़े बेचकर सो गया)

ग) आँखों से ओझल हो गया)

घ) नाम न लो ङ.) गला फाड़कर चिल्लाने लगा।

V. Unnathan.